

किसानों के बीच पहुंचकर कृषि जागरूकता फैला रही कृषि छात्रा हिमांशी पटेल, कमोलिया गांव में किया विभिन्न कृषि गतिविधियों का संचालन

सीतापुर, सिधौली। ग्रामीण कृषि व्यवस्था को समझने, किसानों की समस्याओं को जानने और उन्हें आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कृषि छात्रा हिमांशी पटेल ने ग्राम कमोलिया, सिधौली में अपने ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE – Rural Agricultural Work Experience) कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कृषि गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया।

विद्यार्थी परिचय & अध्ययन विवरण:

हिमांशी पटेल इंटीग्रेल इंस्टीट्यूट ऑफ Agriculture Sciences and Technology (IIAST) में बीएससी (ऑनर्स) कृषि की चतुर्थ वर्ष की छात्रा हैं। RAWE कार्यक्रम के दौरान उन्होंने गांव के किसानों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क स्थापित कर उनकी कृषि पद्धतियों, फसल उत्पादन, खेती से जुड़ी अन्य गतिविधियों तथा आर्थिक स्थिति के संबंध में जानकारी एकत्र की। उन्होंने किसानों के खेतों का भ्रमण कर धान, बाजरा, उड़द तथा अन्य फसलों की खेती का अवलोकन किया।

मिलेट्स के प्रति किसानों को किया जागरूक

राष्ट्रीय लघु धान्य दिवस के अवसर पर 30 अगस्त को कमोलिया गांव में आयोजित मिलेट्स जागरूकता कार्यक्रम में हिमांशी ने मिलेट्स के महत्व पर किसानों को संबोधित किया। उन्होंने पोस्टरों के माध्यम से मिलेट्स के पोषण संबंधी लाभों, विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में उनकी अनुकूलता तथा कृषि में उनकी उपयोगिता के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम के दौरान मिलेट्स से बने खाद्य उत्पादों के नमूने भी वितरित किए गए तथा किसानों को मिलेट्स के खेत का भ्रमण कराया गया।

किसान गोष्ठी में खरपतवार प्रबंधन पर दिया जोर

गांव में आयोजित किसान गोष्ठी में हिमांशी ने खरपतवार प्रबंधन विषय पर किसानों को संबोधित किया। उन्होंने फसलों में खरपतवारों से होने वाले नुकसान तथा प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के महत्व पर जानकारी दी। इस माध्यम से किसानों को फसल उत्पादन में खरपतवार प्रबंधन की भूमिका समझाने का प्रयास किया।

प्राकृतिक एवं जैविक खेती की तकनीकों का लिया प्रशिक्षण

कृषि प्रशिक्षण गतिविधियों के अंतर्गत हिमांशी ने जीवामृत एवं फाइव लीफ बॉटनिकल एक्सट्रैक्ट (Five Leaf Botanical Extract) तैयार करने की विधि और खेती में उनकी उपयोगिता से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने इन प्राकृतिक कृषि उत्पादों की तैयारी की प्रक्रिया को समझा और उसमें भाग लिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने शतावरी, चारा फसलों तथा अन्य कृषि फसलों के खेतों का भी भ्रमण किया और किसानों द्वारा अपनाई जा रही विभिन्न कृषि तकनीकों का अवलोकन किया।

किसानों से सीधा संवाद बना ग्रामीण कृषि अनुभव का आधार

हिमांशी पटेल का यह फील्डवर्क केवल कृषि गतिविधियों के अवलोकन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि किसानों से व्यक्तिगत रूप से संवाद स्थापित कर ग्रामीण कृषि व्यवस्था को समझने, उनके अनुभवों से सीखने और कृषि संबंधी जानकारी के आदान-प्रदान पर भी केंद्रित रहा।

RAWE कार्यक्रम के माध्यम से उनका प्रयास कृषि शिक्षा को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना, ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि जागरूकता बढ़ाना तथा किसानों की वास्तविक परिस्थितियों और चुनौतियों को समझना रहा है।